

ध्रुव पर क्रमशः केवल दक्षिण और उत्तर दिशाएँ ही होती हैं) 2. देश या स्थान जैसे: दक्षिणनरेश 3. दृष्टिकोण- जैसे- इस दिशा से विचार करें 4. निर्देश।

दिक्कत स्त्री. (अर.) 1. कठिनाई, परेशानी, अवरोध, बाधा 2. सूक्ष्मता, बारीकी।

दिक्काल पुं. (तत्.) देश एवं काल।

दिक्कुंजर पुं. (तत्.) दिशाओं के नियंत्रक हाथी, भारतीय पौराणिक मान्यता के अनुसार आठ दिशाओं में आठ हाथी इन्हें संभाले हुए हैं जो इन्हें हिलने नहीं देते अर्थात् पृथ्वी के अक्ष एवं गति की दिशा को नियंत्रित रखते हैं और प्रकृति का संतुलन बनाए रखते हैं।

दिक्पति पुं. (तत्.) दिशाओं के स्वामी देवता जो दिक्कुंजरों या दिग्गजों पर सवार होकर प्रकृति को नियंत्रित रखते हैं, इनके नाम क्रमशः इस प्रकार हैं- इंद्र (पूर्व), अग्नि (अग्निकोण या पूर्वदक्षिण कोण), यम (दक्षिण), निर्ऋति (नैऋत्य या दक्षिण पश्चिम कोण), वरुण (पश्चिम), मरुत् या वायु (वायव्य या उत्तरपश्चिम कोण), कुबेर (उत्तर), ईशान या शिव (ऐशान्य या पूर्व-उत्तर कोण), इनके अतिरिक्ति ऊर्ध्व और अधः ये दो दिशाएँ भी मानी जाती हैं इनमें दिग्गज नहीं माने गए हैं; इनके स्वामी हैं, ब्रह्मा (ऊर्ध्व या ऊपर) और अनंत (अधः या नीचे)।

दिक्-परिवर्तक पुं. (तत्.) भौ. दिष्ट धारा (डी सी) मोटर में विद्युत की धारा की दिशा परिवर्तित करने वाली युक्ति जो परिपथ में जोड़ी जाती है अथवा इसके विपरीत डायनैमो में प्रत्यावर्ती धारा (ए सी) को दिष्ट धारा (डी सी) में परिवर्तित करने वाली युक्ति commutator

दिक्पात कोण पुं. (तत्.) खगोल. किसी खगोलीय पिंड (ग्रह, तारा आदि) की होरावृत्त से उत्तर या दक्षिण की ओर नापी गई सापेक्ष कोणीय दूरी, क्रांति अपक्रम। declination

दिक्पाल पुं. (तत्.) दे. दिक्पति।

दिक् सूचक वि. (तत्.) दिशा बतलाने वाला (यंत्र) पुं. इस प्रकार का यंत्र इस यंत्र में एक चुम्बकीय सुई होती है जो सदैव उत्तर दिशा की ओर संकेत करती है, कुतुबनुमा।

दिखना अ.क्रि. (तद्.) रूप गुण से युक्त पदार्थों का दृक्-इंद्रिय (आँख) से ज्ञान प्राप्त होना, दिखलाई देना, चाक्षुष प्रत्यय।

दिखलाई स्त्री. (देश.) 1. दिखलाने का कार्य या उसका भाव 2. दिखलाने का शुल्क।

दिखलाना पुं. (देश.) 1. किसी अन्य व्यक्ति द्वारा दिखलाने का काम करवाना 2. देखने में प्रवृत्त करना।

दिखाई स्त्री. (देश.) 1. देखने का कार्य या भाव 2. देखने का शुल्क या राशि।

दिखाव पुं. (देश.) दे. दिखाई।

दिखावट स्त्री. (देश.) 1. दिखाने का भाव 2. बाहरी आडंबर 3. देखने का कार्य।

दिखावटी वि. (देश.) जो मात्र देखने के लिए ही हो।

दिखावा पुं. (देश.) ऊपरी आवरण; ढोंग, आडंबर।

दिखावा/दिखावा वि. (देश.) दे. दिखावटी।

दिगंत पुं. (तत्.) [दिक्+अंत] 1. दिशाओं का अंत अर्थात् किसी दिशा में जहाँ तक देखा जा सकता है, वह स्थान 2. किसी दिशा में जहाँ पृथ्वी और आकाश मिलते हुए दिखते हैं।

दिगंबर पुं. (तत्.) दिशाएँ ही जिसके वस्त्र हों अर्थात् पूर्ण नग्न (व्यक्ति) पुं. 1. दिगंबर संप्रदाय के जैन साधु 2. शिव।

दिगंबरी स्त्री. (तत्.) दुर्गा का एक नाम (दिक् और अंबर (आकाश) में व्याप्त)।

दिगंश पुं. (तत्.) क्षितिज के दक्षिण बिंदु से पश्चिम क्षितिज की दिशा में उस स्थान तक की दूरी की अंशीय माप जहाँ संबंधित खगोलीय